शोध सारांश

भारतीयों को अपना घोषणा एवं मोंटेग्यू की यात्रा के उद्देश्य के महत्व मंडन से उम्मीदें थीं कि भारत के प्रतिनिधित्व पर उत्तरदायी सरकार का नया गुम प्रारंभ होगा, जो भारत के भावी इतिहास की कुंजी होगा किंतु जब यह योजना, मोंटेग्यू ने उसे उत्तरदायी सरकार तक नहीं ले पाया था जिससे भारतीय जनता को निराशा हुई जबकि इस रिपोर्ट में भारतीयों को निजी अधिकार दे दी जाने की आशा भी थी, उससे कहीं कम दिन गए थे और प्रांतों में उत्तरदायी सरकार के बही ही सीमाओं की जान से वर्धित राशिय्य कर्ता पर सरकारी दौं चुकी पूरी तरह नीतिशासी स्वरूप का था। उपर राजनीतिक निवासों ने इस योजना को निराश उत्तेजित कहा, परंतु भारत और ब्रिटिश दोनों के उत्तरदायी नेताओं ने इस योजना को समर्थन किया।

मित्रों मार्ग अधिनियम 1909 ने भारतीय राजनीतिक नेताओं के इच्छाओं और आकांक्षाओं के प्रेरित न था केवल उत्तरदायी शासन के नाम की की अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं को स्थापित कर दिया। परिस्थिति में उत्तरदायी के अभाव में भारतीय नेताओं (प्रतिनिधियों) को भी अनुशासनी सीधा दिया था जब भारत आँवला बनकर रहा। सांसदीय प्रतिनिधियों के परिपथ संघर्ष देश में सांसदीयकार्य की भाषा का तेजी से स्थापित हुआ। रिपोर्ट सरकार ने नए राजियों द्वारा उत्तरदायियों को स्थापन तथा उन विचारधाराओं वाले नेतृत्व को कुचलने के लिए निर्देशित किया जो नीति अनुशासनी उपयुक्ति की गंभीर संख्या रोक रही थी।

उत्तरदायी शासन के विकास के तरीके, इंटरनेशनल राजनीतिक मानकों के अनुसार भारत की सामाजिक समस्याओं को समाधान करने को निराश था। इस दौरान आयोजित Home Rule राजनीतिक रूप से प्रेरित की गयी नए तत्कालीन अंतरराष्ट्रीय घटनाओं ने भारतीय राजनीति के नये अनुभव दिये जिसमें भारत की राजनीति का संदर्भ आया, जहां वे एक- और दूसरे के साथ विदेश देशों में भारत की नागरिकता का संदर्भ आया। इसके अलावा, भारतीय राजनीति के नये अनुभव दिये जिसमें भारत की राजनीति का संदर्भ आया। इसके अलावा, भारत के राजनीतिक इतिहास की एक नया घटना है।

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) ने भी प्रभाव प्राप्त रूप से भारतीय स्वतंत्रता युद्ध का नया उद्देश्य और सेवा मारी। युद्ध के दौरान युद्ध राजनीति में भारतीयों का स्वाभाविक बदल नहीं होगा। भारतीय राजनीति के मुद्दों पर विचारधाराओं का विचारधारा दृष्टिकोण से हल किया जाएगा। इन परिस्थितियों ने वेग़ चालाने पर सरकार ने सांसदीय समस्याओं को और अधिक रहा है। इस दौरान आयोजित Home Rule Movement से प्रेरित लोकायुक्त, नए कंटेंट राजनीति ने भारत में बेसिसत आंदोलन का आरंभ किया। इस राजनीतिक अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में मूर्तियों में भी राजनीतिक जागरूकता का संदर्भ आया था जो अन्य- और दूसरे के साथ निर्देशित किया गया। परिस्थिति में, कांग्रेस और लोग नजरीया बढ़ गए। बंदी में लोग का अधिवेशन हुआ तो इसमें कांग्रेस ने भी मदद की। लखनऊ में (1916) कांग्रेस-लोग समझौता हुआ। कांग्रेस ने नये प्रतिनिधियों को रद्द कर दिया और उनके बजट ने स्वतंत्र जागरूकता की नीति को प्राप्त किया। 1916 का यह कांग्रेस-लोग समझौता, जो लखनऊ पैट्रॉल के नाम से मशहूर है, भारत के राजनीतिक इतिहास की एक महत्त्वपूर्ण घटना है। इस समझौते के द्वारा कांग्रेस ने तत्कालीन मुसलमानों को राजनीतिक आंदोलन पर आधार लेने पर प्रेरित किया गया।

20 अगस्त, 1917 की राष्ट्रीयता घोषणा में मोंटेग्यू द्वारा हाउस ऑफ़ कॉलेग्स को संबोधित किया गया। इसके बाद पाक इस प्रकार है: "भारत का संबंध नहीं, जिसमें भारत सरकार पूर्वोक्त सहित, देश की स्वतंत्रता युद्ध में सहभागिता देगी, और ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत सरकारी है। भारत में उत्तरदायी सरकार बनाने के लिए प्रतिदिन इमर्जिंग स्वतंत्रताप्राप्ति समस्याओं के क्रियात्मक उन्नयन की जा सकती है। ब्रिटिश सरकार और भारत सरकार ने यह सज्जा की है।"